



वाशिंगटन में चीन केन में घोषित वायु रक्षा क्षेत्र के ऊपर पनपे जबर्दस्त तनाव के बीच अमेरिकी के उप राष्ट्रपति जो बाइडेन शिया की यात्रा पर रवाना हो गए

व्हाइट हाउस ने अपने बयान में कहा, “बाइडेन बीजिंग में रूकेंगे और इस दौरान वे क्षेत्र में पनपे तनाव सहित चर्चा के विषयों पर चर्चा करेंगे”

बयान में यह भी कहा गया है कि जापान, चीन और दक्षिण कोरिया के बाइडेन की इस यात्रा का उद्देश्य अमेरिकी के प्रशांत महासागर क्षेत्र में कक्षा के तौर पर स्थापित करना है और साथ ही साथ शिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अमेरिकी वैदेशी नीति के पुनर्संतुलन के लिए अपनी प्रतिबद्धता दर्शाना है

उप राष्ट्रपति के विमान 2 नवंबर 5:03 बजे (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 22 बजे 03 बजे) उड़ान भरी सात दिसंबर के बाइडेन अमेरिकी वापस लौट आएंगे

वर्षित प्रशासनिक अधिकारियों ने इस सप्ताह कहा कि बाइडेन चीन केन में घोषित वायु रक्षा क्षेत्र के संबंध में अपनी चर्चा करना चाहते हैं और वे इस कदम के संबंध में चीन के स्पष्ट इरादे जानना चाहते हैं

जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने इससे पूर्व कहा था कि जाहिर तौर पर इस तरह की वरिधाभासी प्रतिक्रिया के बाद वे तोक्यो में बाइडेन से इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे

चीन की गत 23 नवंबर के की गई इस नए क्षेत्र की घोषणा के बाद से क्षेत्र में तनाव फैल गया था क्योंकि इस क्षेत्र में पूर्वी चीन सागर का वह द्वीपसमूह भी आता है जिसे लेकर बीजिंग और तोक्यो के बीच विवाद है इसमें कहा गया है कि इस क्षेत्र से गुजरने के पहले सभी विमानों को अपनी उड़ान योजना के बारे में बताना होगा

तोक्यो ने जापानी विमान सेवाओं को अपनी इस तरह की कोई भी योजना सौंपने से मना कर दिया है लेकिन, उधर वाशिंगटन ने कहा है कि उसके अपने अमेरिकी

वमिानवाहकपोतों से अपेक्षा की जाती है कि वे अन्य देशों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

अपनी इस यात्रा के दौरान बाइडेन तीनों देशों के वरिष्ठतम नेताओं से मुलाक़त करने के अलावा नागरिक समाज के प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे।

(०० पन्नी)